विचार बिन्दु

हमेशा याद रखिए कि सफलता के लिए किया गया आपका अपना संकल्प किसी भी और संकल्प से ज्यादा महत्व रखता है। –अब्राहम लिंकन

''द केरल स्टोरी''

'दी केरल स्टोरी' फिल्म के बाबत देश व विदेशों में भी वाद-विवाद हो रहा है। मध्यप्रदेश की तर्ज पर यूपी में भी इस फिल्म को टैक्स फ्री किया गया है। यूपी सरकार के विधायक व मंत्रीगण प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ पिक्चर देखेंगे। बंगला देश ने इसे बैन कर दिया है। प्रदेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि फिल्म की स्क्रीनिंग को बैन करने की मांग की थी ताकि प्रदेश में शान्ति स्थापित हो सके। उनका कहना है कि 'द केरल स्टोरी' एक विकृत कहानी है। तामिलनाडू में भी इसको बैन कर दिया है। एक मत यह भी मानता है कि इस फिल्म को लेकर तामिलनाडू में यह माना जा रहा है कि वहां फिल्म के प्रति उत्साह नहीं है, इस कारण बैन लगाया गया है। केन्द्र सरकार के मंत्री अनुराग ठाकुर ने जनता से आग्रह किया है कि वे पिक्चर देखें। उनका कहना है कि पिक्चर सही तथ्यों पर आधारित है। यह भी सत्य है कि आतंकवाद के विरोध में कई देश हैं, वहां भी 'द केरल स्टोरी' जैसी फिल्में बन रही हैं। कई डोक्यूमेन्ट्री बन चुकी हैं। लडकियों के आतंकी संगठनों में शामिल कराने के कारणों पर शोध पत्र लिखे गये हैं। केरल में फिल्म की स्क्रीनिंग पर रोक लगाई है। यह फिल्म हिन्दू ईसाइयों या दूसरे धर्म की लडकियों का धर्मान्तरण कर मुस्लिम बनाने और आईएसआईएस जो एक आंतकी संगठन है, उसके लिये काम करने को विवश किया जाता है। यह फिल्म आतंकी संगठन द्वारा एक विशेष धर्म की लडकियों/महिलाओं पर किये जा रहे जुल्मों की कहानी है।

प्रलोभन देकर भी लडकियों का धर्मान्तरण कराया जाता है, इसमें व फिल्म के विषय में काफी समानतायें हैं।

पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ने इसे कश्मीर फाइल जैसा माना है अर्थात् एक वर्ग को अपमानित करना है। फिल्म के निर्माता विपुल शाह ने इस स्टेटमेंट को चुनौती दी है और घोषणा की है कि वे कानूनी लडाई लडेंगे। राजनैतिक दल सीपीएम तथा कांग्रेस ने फिल्म का विरोध किया है और फिल्म को बैन करने की आवाज उठाई है। इसका राजनैतिकरण हो चुका है।

केरल भारत का प्रान्त है। हिन्दू, मुसलमानों व ईसाइयों की आबादी वाला प्रान्त है। मलयालम यहां की मुख्य राज्य भाषा है। यह बहुत सुन्दर प्रदेश है। केरल को ईश्वर का अपना देश माना जाता है जिसे ईश्वर द्वारा कथित रूप से इष्ट माना गया है। **God's Own Country** केरल के पर्यटन विभाग का लोगो है।

'द केरल स्टोरी' केरल राज्य में युवा युवतियों को तथाकथित जबरन धर्म परिवर्तन की कहानी है, जिसे आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एण्ड सीरिया (आईएसआईएस) द्वारा बताने का प्रयास किया है। केरल की कहानी तीन महिलाओं के वास्तविक अनुभव पर है। 'द केरल स्टोरी' विवादों से घिरी हुई है। दिनांक 5 मई 2023 को सिनमाघरों में दिखाई गई। कहते हैं पहले दिन ही अच्छा कलेक्शन दिया गया। चूंकि यह फिल्म विवादास्पद है इसके कारण तामिलनाडू व अन्य राज्यों में फिल्म की स्क्रीनिंग भी रद्द की गई। यह भी सच है कि मध्यप्रदेश व अन्य राज्यों में फिल्म के प्रदर्शन को कर मुक्त किया गया है।

सुदीप्तो सेन द्वारा 'द केरल स्टोरी' को निर्देशित किया है और विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित है। कहते हैं फिल्म पर 40 करोड रूपये खर्च हुये हैं। यह भी बताया गया है कि लगभग 32,000 हजार महिलाओं को केरल से आईएसआईएस द्वारा अफ़गानिस्तान व सीरिया ले जाया गया और उनके साथ बुरा व्यवहार किया गया। उन्हें आतंकवादी बनाने की करूण गाथा है।

10 मई 2023 को कर्नाटक में चुनाव हो चुके हैं। अन्य चुनावी मुद्दों में 'द केरल स्टोरी' फिल्म एक बडे मुद्दे के रूप में उभर कर आई है।

'द केरल स्टोरी' फिल्म को लेकर दो भिन्न-भिन्न विचार चुनाव में सुने जा चुके हैं। फिल्म में दिखाया गया है आतंकवाद या यह नया रूप है।

तामिलनाडू के कई सिनेमा घरों में जब 'द केरल स्टोरी' पर बैन लगाया गया, कई सिनेमा घरों में यह फिल्म देखी जा रही थी। इस फिल्म के कलाकारों में मुख्यतः अदाह शर्मा, योगिता बिहानी व सिद्धि इदनानी और सोनियाबालानी की मुख्य भूमिका है। समाचार पत्रों से यह भी जानकारी मिली है कि गुजरात में भी महिलायें गायब हुई हैं। धीरे-धीरे 'द केरल स्टोरी' का विषय गम्भीर होता जा रहा है। क्रूर मेम्बर्स को धमकी मिलने के समाचार भी अखबारों में पढने को मिले।

देश में कुछ राज्य सरकारों ने फिल्म को जनहित में मानकर टैक्स नहीं लगाया है और कहीं पर इस पर बैन लगाया गया है। 'द केरल स्टोरी' फिल्म को सेंसर बोर्ड द्वारा 'ए' सर्टिफिकेट दिया गया है जिसका अभिप्राय है फिल्म देश के सिनेमा घरों में स्क्रीनिंग की जा सकती है। 'द केरल स्टोरी' वस्तुतः एक राज्य से संबंध रखती है और आतंकी गतिविधियों की बर्बरता की कहानी पर प्रकाश डालती है।

'द केरल स्टोरी' ने देश के सामने आतंकवादियों के जुल्मों को दिखाया है। यह विवाद अब टीवी अखबारों और विशिष्ट व्यक्तियों तक ही सीमित नहीं है, किन्तु इसका क्षेत्र बढता जा रहा है। यह सुखद समाचार है कि देश की सर्वोच्च कोर्ट (सुप्रीम कोर्ट ऑफ इण्डिया) के समक्ष यह विवाद पहुंच चुका है और दिनांक 15 मई 2023 को पिटीशन के एडमिशन पर माननीय न्यायालय सुनवाई करेगा। इससे पूर्व भी फिल्म का ट्रेलर दिखाने पर एक याचिका दायर की थी। इस याचिका में फिल्म के रिलीज पर स्टे की मांग की थी किन्तु माननीय केरल हाईकोर्ट ने सच्ची घटनाओं पर आधारित होने से उसे एडमिट करने से इन्कार किया था।

देश इस समय कई समस्याओं से जूझ रहा है। देश वर्तमान में चुनावों के बीच में है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर चीन से हमारी सीमाओं के बाबत विवाद चल रहा है। यूक्रेन बनाम रूस की लडाई में भारत अपनी निष्पक्ष भूमिका निभा रहा है। आरक्षण का भूत हमें छोडना नहीं चाहता। राजनीति एक दूसरे पर हावी होना चाहती है। हेट स्पीच ने हमारी जवान का स्वाद भी खराब कर दिया है। देश में समता, समानता व समरसता का अभाव है। हमारा आपसी विश्वास खंडित हो रहा है। झूठ व सच के बीच में यह फिल्म फंसी नजर आ रही है। कुछ इसे जैसा ऊपर कहा है सत्य मानते हैं किन्तु जितेन्द्र आव्हाड एनसीपी के सीनियर नेता का कहना है इस फिल्म में झूठ का अतिरंजन हुआ है। आप फिल्म देखने जावें तो निर्माता की स्वीकृति पर्दे पर पढने को मिलेगी फिल्म सच्ची कहानियों पर आधारित है। तीन लडकियों की कहानी को 32000 महिलाओं की बात कही गई है। उनका कहना तो यहां तक है कि फिल्म को बनाने वाले को फांसी की सजा दी जावे। यह भी तथ्य उभर कर सामने आये हैं कि सिनेमा घरों में दर्शक उमड रहे हैं और कई जगह उत्साह में कमी है। कुछ राज्य फिल्म को टैक्स फ्री करने जा रहे हैं।

देश में कुछ राज्य सरकारों ने फिल्म को जनहित में मानकर टैक्स नहीं लगाया है और कहीं पर इस पर बैन लगाया गया है। 'द केरल स्टोरी' फिल्म को सेंसर बोर्ड द्वारा 'ए' सर्टिफिकेट दिया गया है जिसका अभिप्राय है फिल्म देश के सिनेमा घरों में स्क्रीनिंग की जा सकती है। 'द केरल स्टोरी' वस्तुत: एक राज्य से संबंध रखती है और आतंकी गतिविधियों की बर्बरता की कहानी पर प्रकाश डालती है, कहा जाता है कि हजारों लडकियों को जोर जबरदस्ती/बहला फुसला कर इस्लाम धर्म को कुबूल कराया गया है। इस प्रकार केरल की महिलायें धर्मान्तरित होकर चरम पंथी स्टेट ऑफ ईराक व सीरिया में शामिल हो रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने 6 मई 2023 को बेल्लारी के चुनाव प्रचार में 'द केरल स्टोरी' का उल्लेख किया है और इस मुद्दे को समझाते हुये कहा कि ''मैं यह देख कर हैरान हूँ कि अपने वोट बैंक के खातिर कांग्रेस ने आतंकवाद के समक्ष घुटने टेक दिये हैं। ऐसी पार्टी कर्नाटक की रक्षा कैसे कर सकती है?''

'द केरल स्टोरी' बनाने वाले व्यक्ति विपुल अमृतलाल शाह ने पश्चिमी बंगाल राज्य की सरकार के आदेश की वैधता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने आदेश में कहा है कि हिंसा को रोकने व घृणा की भावना पैदा न हो और जनता में शांति बनी रहे, इस कारण से उक्त आदेश पारित किया था। पश्चिम बंगाल की सरकार ने आदेश धारा 6(1) वेस्ट बंगाल सिनेमा (रेगूलेशन) एक्ट 1954 के तहत् पारित किया है। पिटीशनर की आपत्ति है कि राज्य सरकार को उक्त आदेश पारित करने का अधिकार नहीं है, तथा जब फिल्म को सेंसर बोर्ड का 'ए' सर्टिफिकेट मिल चुका है। पिटीशनर ने 1954 के एक्ट की धारा की वैधता को भी चुनौती दी है। उक्त धारा Arbitrary व Unguided अधिकार देता है। इस कारण धारा 6 संविधान अनुच्छेद 14 के विरूद्ध है तथा अवैध है और निरस्तनीय है।

यह मामला 15 मई 2023 को सुनवाई के लिये सुप्रीम कोर्ट में लिस्ट किया गया है। चूंकि विवाद सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष है अत: इस पर कोई टीका टिप्पणी करना उचित नहीं है। इस लेख में मेरे अपने विचारों की अभिव्यक्ति है जो मिडिया, अखबार, टीवी, गूगल और नेताओं के भाषणों तथा फिल्म को देखने से पैदा हुई करूणा पर आधारित है।

हमारा देश स्वर्ग माना गया है, कृपया इसे नर्क न बनने दें। देश धर्म निरपेक्ष है इसे जाति व धर्म की जंजीरों से न बांधें।

सत्यमेव जयते!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

हिंदू-मुस्लिम संस्कृति का संवाहक रहा है पश्चिमी राजस्थान का मांगणियार गायन

पन्नालाल मेघवाल

राजस्थान का मांगणियार गायन हिंदू-मुस्लिम संस्कृति का संवाहक रहा है। मांगणियार पीढ़ी दर पीढ़ी लोकगीत, संगीत एवं गायन परम्परा का निर्वाह करते आ रहे हैं। मांगणियार मुस्लिम मूलत:सिन्ध प्रान्त के निवासी हैं। वर्तमान में मांगणियार बाड़मेर, जैसलमेर एवं पश्चिमी राजस्थान में निवास करते हैं। सदियों से मांगणियारों के जजमान हिंदू रहे हैं। जजमान के घर आने जाने पर इन्हें पूरा सम्मान मिलता था। जजमानों के घरों में बच्चा पैदा हो, विवाह, तीज, त्यौहार या कोई भी मांगलिक कार्य हो तो मांगणियार उससे संबंधित गीत गाकर जजमान से कई प्रकार के ईनाम प्राप्त करते थे, जिनमें स्वर्ण जेवर, नकदी, मकान, जमीन, ऊंट, कपड़े आदि प्रमुख हैं।

हिंदू उच्च जाति के लोग एवं सिंधी इनके जजमान रहें हैं। इनके गीतों की रचनाएं सदियों पुरानी हैं। इन्हें विविध आयोजनों के हजारों गीतों की रचना करने एवं संगीत से सजाने की कला विरासत में मिली हुई है। इन्हें सैकड़ों गीत कंठस्थ याद रहते हैं। कमायचा इनका पारंपरिक वाद्य है। कमायचा तानसेन का बनाया हुआ वाद्य माना जाता है। कमायचा लकड़ी का बना होता है, जिसकी तवली चौबीस अंगुल की होती है। नाल दस अंगुल की होती है। सिरे को मोलिया कहा जाता है। स्वर के लिए मुख्यत: तीन मोटे तार होते है, जिन्हें मोरणा कहा जाता है। साथ में ग्यारह पतले तार होते हैं, जिन्हें मोरनी कहा जाता है। गज लकडी का बना होता है, जिसमें घोडे की पूछं के बाल होते हैं। गज को कमायचा के मोरणी व मोरणा पर चलाते ही सुमधुर स्वरों की गूंज सुनाई देती है जिससे कलाकार की सधी हुई उंगलियों से सुर निकालते हैं।

मांगणियार पारंपरिक रूप से अपने बच्चों को संगीत शिक्षा देते हैं, विभिन्न साजों लोक वाद्यों का चलन कालांतर में होता रहा जैसे- अलगोजा, खड़ताल, मटका आदि वाद्य धीरे-धीरे जुड़ते गए। बालक अपनी रुचि के अनुसार विद्या सीखते हैं। मांगणियार गायन शैली में मुख्यत: छ: राग एवं छत्तीस रागनियां होती हैं। जिनके आधार पर ही लोक गीत, लोक संगीत की रचना की जाती है। मुख्यत: छ: राग- प्रभाती, गूढ़ मल्हार, मारु, कल्याण, व्यागडो एवं खमाज राग होते हैं।

प्रभाती प्रात:कालीन वेला में सूर्योदय के समय गाया जाने वाला राग है जिसमें रामचंद्रजी के भजन, श्रीकृष्ण, रैदास, कबीर, मीरा, तुलसीदास आदि महापुरुषों की रचनाएं गायी जाती हैं। इसके अलावा भजन, भक्ति गीत, कीर्तन आदि भी गाये जाते हैं। गूढ़ मल्हार प्रात: 10 से दोपहर 12 बजे के बीच दिन में गाया जाने वाला राग है। जब कोई राजा-महाराजा या जजमान अपनी दैनंदिनी के लिए आता जाता है अथवा जजमान व्यापार आदि के लिए जाने वाले हो तो गूढ मल्हार राग गाया जाता है। मारु राग दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक गाया जाने वाला राग है। कल्याण राग शाम को 8 बजे से गाया जाता है इसे शाम कल्याण राग भी कहा जाता है। इस राग के विभिन्न गीतों की प्रस्तुतियां मनभावन ढंग से गाई जाती हैं, जो माहौल को खुशनुमा कर देती हैं। मेहमानों के आने, बैठने, खाने-पीने, आमोद, प्रमोद, हंसी एवं मजाक के समय कल्याण राग के गीत गाए जाते हैं। इस समय गाए जाने वाले गीतों से दिन भर की थकान दूर हो जाती है एवं मन शांत व उल्लास से भर जाता है। रात रात भर बैठ कर जजमान इनके गीतों से प्रसन्न होते हैं, और इनाम इकराम से नवाजते हैं।

व्यागडो राग के गीतों का प्रचलन रात्रि 9 बजे से देर रात्रि तक होता है, जब हंसी खुशी का माहौल चरम तक पहुंचता है। खाने-पीने का दौर चलता रहता है, तब इस राग में गीत गाने से जजमान अत्यंत प्रसन्न होते हैं। खमाज राग को शुभ राग के रूप में जाना जाता है। कहीं भी शुभ कार्य का माहोल हो तो इस राग का गीत गाया जाता है। इसके अलावा सारंग राग भी प्रसिद्ध है। यह राग आषाढ़ में वर्षा ऋतु के समय गाया जाता है। गर्मी के मौसम से राहत दिलाने के समय यह राग गाया जाता है। इधर मोर, पपीहा, कोयल, चकोर उछल कूद करते हैं। मन उमंग से भरा होता है, ऐसे समय में इस राग के गीतों की रचनाएं गाई जाती हैं।

इसी तरह 6 प्रमुख रागों के साथ ही 36 रागनियां होती हैं जिनमें प्रमुख रूप से मारू, पहाड़ी, शुभ, काफी, सोरठ, धानी, तोड़ी, भैरवी, खयामाती, सोमेरी आदि प्रसिद्ध हैं। इन रागनियों में हजारों गीतों की रचनाएं हुई हैं। जिसका मांगणियारों के पास अथाह भंडार है। मांगणियार समुदाय के विभिन्न रीति-रिवाजों, त्यौहारों, जन्म, विवाह आदि पर अपनी विशिष्ट परंपराएं हैं। इनमें जन्म एवं वैवाहिक परंपराएं प्रमुख है।

बच्चे के घर जन्म पर हालरिया गीत गाया जाता है। त्यौहारों एवं अन्य मांगलिक अवसरों पर क्रमश: मेहंदी, कंकू, श्रृंगार, श्रावणी तीज, फाग, होली, बसंत, शरद, ग्रीष्म एवं बरसात आदि ऋतुओं पर भी अलग-अलग तरह के गीत गाने की परंपरा है।

मांगणियारों में पारंपरिक वैवाहिक गीत गाने की समृद्ध परंपरा है। विवाह के अवसर पर जब दूल्हे को पाठ पर बिठाया जाता है। शुभ मुहूर्त में धागा बांधा जाता है, तब बधावा गाया जाता है, जिसे सावा गीत भी कहते हैं। जब बारात दूल्हे के घर से रवाना होती है, तो अंतरियो गीत गाया जाता है, जिसमें गुलाब के फूलों की सुगंध जैसा महकने का वर्णन होता है। उसके बाद खमाजे की दुआ देनी पड़ती है। अर्थात दुल्हन को लेने बारात आ रही है, यह एक तरह से दुल्हन के घर पर सूचना देने जैसा है। ससुराल पहुंचते ही गोडलिया गीत की सुमधुर स्वर लहरियां गुंजायमान होने लगती हैं। चारों और खुशियां की बहारें रंग भर देती है। ढोल, नगाड़े, शहनाई, लोक वाद्यों की गूंज से माहौल आनंद से सराबोर हो जाता है।

दूल्हा-दुल्हन मंडप में बैठते हैं, उसे चंवरी कहते हैं। तब सांकडली गीत सुनाया जाता है- अरे भलां परणावो म्हारी सांकडली ने। शादी के बाद बाराती दूल्हे सहित जनवासा पर आ जाते हैं। खाना खाकर मौज करते हैं, और आराम करते है। दूसरे दिन सीख पर अरणी गीत गाया जाता हैं- अरे करशलिया बाबाजी रा पाछल म्हारा डोडाण रो कोर। इस तरह वैवाहिक परंपरा संपूर्ण होकर दुल्हन दूल्हे के घर आती है। मांगणियारों के जीविकोपार्जन का एकमात्र साधन गीत, संगीत एवं वाद्य है। उनका गाना बजाना ही मुख्य पेशा है, जिससे जीवन यापन होता है।

– पन्नालाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक
एवं स्वतंत्र पत्रकार

मंदिर और स्कूल जाने के रास्ते से नहीं हटा खुला कचरा डिपो

सांभरझील, (निसं)। पुरानी धानमंडी स्थित बालाजी मंदिर व स्कूल जाने वाले रास्ते के नजदीक खुला कचरा डिपो कई दशकों बाद भी यहां से नहीं शिफ्ट हो सका है।

रामलीला रंगमंच व सराय स्कूल के नजदीक खुला कचरा डिपो के पास ही विद्युत निगम की डीपी भी रखी हुई है। बताया जा रहा है कि आसपास के लोगों की ओर से इस खुली जगह पर कचरा फेंका जाता है जिसे बाद में सफाई कर्मचारी की ओर से हटाया भी जाता है लेकिन उसके बाद फिर से लोगों को कचरा डालना शुरू हो जाता है। कचरे और गंदगी से लावारिस जानवरों का जमघट भी लगा रहता है। राहगीरों को इस कचरे के ढेर से रूबरू होना पड़ रहा है। इसी प्रकार यहां के हालात यूनानी औषधालय, राजकीय बालिका विद्यालय, नया बस स्टैंड के

■ **खुला कचरा डिपो कई दशकों बाद भी नहीं हटाया जा सका**

अंदरूनी हिस्सों के अलावा वार्ड की कुछ ऐसे मोहल्ले हैं जहां सफाई व्यवस्था चौपट सी बनी हुई है। अस्थाई खुला कचरा डिपो को हटाने व इस समस्या से छुटकारा दिलाने के लिए जिम्मेदार विभाग की ओर से कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

लोगों का कहना है कि पर्याप्त संख्या में सफाई कर्मचारियों के बाद भी सफाई व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़ा होना विभाग की लापरवाही को दर्शाता है, वहीं जनप्रतिनिधियों का इस दिशा में मूक बने रहना भी आमजन की भावना के साथ जबरदस्त कुठाराघात बताया जा रहा है।

सांभर में पुरानी धानमंडी स्थित बालाजी मंदिर व स्कूल जाने वाले रास्ते के नजदीक खुला कचरा डिपो।

पांच माह से वेतन नहीं मिलने से परेशानी

दौसा, (निसं)। पंचायत शिक्षक व विद्यालय सहायक विगत पांच माह से वेतन नहीं मिलने के कारण आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहे हैं एवं उनके घर खर्च के लाले पड़ रहे हैं।

जिले में लगभग चार सौ विद्यालय सहायक एवं पंचायत शिक्षकों को शिक्षा विभाग में नियुक्ति दी गई है। इनको दिसंबर माह से ग्राम पंचायत से शिक्षा विभाग में पदस्थापित किया गया है तब से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत

■ **पंचायत शिक्षक व विद्यालय सहायक परेशान**

विद्यालय सहायक को एवं पंचायत शिक्षकों को मानदेय का भुगतान नहीं हो सका है। इनका गत पांच माह का मानदेय भुगतान बकाया चल रहा है। इससे इन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। नियमित होने की आस में अल्प मानदेय पर अनवरत राजकीय कार्य कर रहे हैं। इसके बावजूद समय पर शिक्षा विभाग से इनके मानदेय का भुगतान नहीं हो पा रहा है। बिना मानदेय के भी संविदा कार्मिक विद्यालय में शैक्षिणक एवं गैर शैक्षिणक कार्यों को अंजाम दे रहे हैं। लालसोट ब्लॉक पंचायत शिक्षक नेता धर्मेंद्र तिवारी, संघ मीडिया प्रभारी दिनेश पारीक, विद्यालय सहायक अवधेश शर्मा, पंचायत शिक्षक कमलेश शर्मा एवं अन्य सहायकों ने बताया कि मानदेय का भुगतान नहीं किया जा रहा है। इस समस्या को लेकर कई बार शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों से लेकर ब्लॉक स्तर एवं विभाग के मंत्री को विभिन्न माध्यम से सूचना व परिवाद भेजकर मानदेय की मांग की जा चुकी है। काफी गुहार लगाने के बावजद भी राहत नहीं मिल पा रहा है। इस समस्या को लेकर कई बार शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों से लेकर ब्लॉक स्तरीय विभाग के मंत्री को विभिन्न माध्यम से सूचना व परिवाद भेजकर मांग की जा चुकी है।

बाल विवाह रुकवाया

देवली, (निसं)। थाना क्षेत्र के डाबर कला गांव में बुधवार को हो रहे एक बाल विवाह की सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर विवाह रुकवाया दिया है। देवली पुलिस थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद ने बताया कि दोपहर 2 बजे चाइल्ड हेल्पलाइन टोंक से थाना पुलिस को डाबर कला गांव में बाल विवाह की जाने की सूचना मिली। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची तो किशोरी कमलेशी पुत्री रामदेव मीणा की शादी होना सामने आया। इस पर बाल विवाह रुकाकर दस्तावेजों की जांच की गई।

सांभर में कक्षा 11 व 12 के विद्यार्थियों के लिए नहीं है हिंदी माध्यम का सरकारी स्कूल

सांभरझील, (निसं)। सांभर उप जिला मुख्यालय पर कक्षा 11 व 12 के विद्यार्थियों के लिए हिंदी माध्यम से शिक्षा अर्जित करने के लिए कोई भी सरकारी विद्यालय नहीं है। इससे सांभर सहित आसपास के गांवों के हजारों विद्यार्थियों को 10 से 12 किलोमीटर दूर अन्य सरकारी स्कूल में जाकर पढ़ाई करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

यहां की पुरानी धान मंडी, रामलीला रंगमंच के नजदीक स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय नंबर 1 जिसे सराय स्कूल के नाम से भी जाना जाता है को कक्षा 11 व 12 से क्रमोन्नत करवाने के लिए अनेक दफा इस मुद्दे को उठाया जा चुका है लेकिन अभी तक सरकार की ओर से इस पर कोई गौर नहीं किया जा रहा है। कक्षा 11 व 12 के लिए हिंदी माध्यम का उपखंड मुख्यालय पर कोई भी सरकारी स्कूल नहीं होने के कारण जानकारी में आ रहा है कि अनेक इसकी वजह से अपनी

■ **सांभर सहित आसपास के गांवों के हजारों विद्यार्थियों को 10 से 12 किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है**

पढ़ाई को विराम दे चुके हैं क्योंकि दूर-दराज के गांव में जाकर सरकारी स्कूल में पढाई करना व गरीब विद्यार्थियों का रोजाना आना जाना दुविधा भरा साबित हो रहा है। खास बात यह है कि इस गंभीर मुद्दे को उठाने के लिए विधानसभा क्षेत्र स्तर के जनप्रतिनिधि भी कोई रुचि नहीं दिखा रहे हैं।

इस मामले में फुलेरा विधानसभा क्षेत्र से विधायक उम्मीदवार रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विद्याधर चौधरी का कहना है कि इस संदर्भ में मेरे पास सांभर नगर कांग्रेस अध्यक्ष कमल किशोर शुक्ला, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जितेंद्र मिश्रा, पूर्व चेयरमैन कन्हैयालाल सक्रवाल व पूर्व नगर अध्यक्ष सीपी व्यास की ओर से एक अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है जिसे मेरी तरफ से शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला को पत्र लिखा जा कर उक्त स्कूल को क्रमोन्नत किए जाने के लिए सिफारिश की गई है। क्षेत्र की भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए मुझे उम्मीद है शीघ्र ही इसके लिए शिक्षा मंत्री की ओर से आदेश प्रसारित किए जाएंगे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 12 मई, 2023

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2080, श्रवण नक्षत्र दिन 1:03 तक, शुक्ल योग दिन 12:17 तक, बव करण प्रात: 9:07 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 12:18 पर कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मकर, मंगल-कर्क, बुध-मेष, गुरू-मेष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज महापात योग रात्रि 9:33 से रात्रि 2:07 तक है। आज कालाष्टमी है। पंचक रात्रि 12:18 से आरम्भ होंगे।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:25 तक, लाभ-अमृत 7:25 से 10:44 तक, शुभ 12:23 से 2:03 तक, चर 7:22 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:45, सूर्यास्त 7:01

मेष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल ऊंचा रहेगा।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। पारिवारिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

मिथुन

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

कर्क

परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह

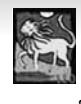

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कन्या

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मकर

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कुंभ

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।